(घ) साहित्य विधाओं से :—

(i) अभिनय यह किस विधा का तत्व है ?

(नाटक, कहानी, खंडकाव्य)

(ii) महाकाव्य में कम से कम ——— सर्ग होना चाहिए।

(सात, आठ, नौ)

(iii) कहानी में एक कथा रहती है।

(सत्य या असत्य)

(iv) उपन्यास में मुख्य कथावस्तु ——— ही रहती है।

(एक, दो तीन)

(v) खंडकाव्य का नायक धीरोदत्त होता है।

(सत्य या असत्य)

AP–975

B.A. (Part—I) Examination

HINDI (Literature)

(Optional Subject)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

1. संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :— 20

(अ) मनिषा जन्म दुर्लभ है, देह न बारंबार।
तरवर थैं फल झड़ि पड्या, बहुरि न लागे डार।।
कबीर घाँस न नींदिये, जो पाऊँ तलि होइ।
उड़ि पड़ै जब आँखि मैं, खरा दुहेला होइ।।

अथवा

किसबी, किसान-कुल बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटल गहन-गन अहन अखेटकी।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
'तुलसी' बुझाई एक राम घनश्याम ही तें,
आगि बड़गावितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(आ) यह 'रहीम' निज संग लै, जनमत जगत न कोय।
बैर, प्रीत, अभ्यास जस, होत-होत ही होय।।
जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चन्दन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग।।

अथवा

स्वारथु, सुकृत न स्त्रम बृथा देखि विहंग बिचारि।
बाज पराए पानि परि, तूँ पच्छीनु न मारि।।
दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरति चतुर चित प्रीति।
परति गाँठ दुरजन हियै, दई नई यह रीति।।

2. प्रस्तुत गद्यांश की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :— 10

बहुत खराब, मगर बाल-बच्चों का आदमी क्या करे। तीस रुपये में तो गुजर नहीं हो सकती। मैं अकेला आदमी हूँ। मेरे लिए डेढ़सौ काफी है, कुछ बचा भी लेता हूँ, लेकिन जिस घर में बहुत से आदमी हो, लड़कों की पढ़ाई हो, लड़कियों की शादियाँ हो; वह आदमी क्या कर सकता है ? जब तक छोटे-छोटे आदमियों का वेतन इतना न हो जायेगा कि वह भलमनसी के साथ निर्वाह कर सके, तब तक रिश्वत बंद न होगी, यही रोटी-दाल, घी-दूध तो वह भी खाते हैं फिर एक को तीस रुपये और दूसरे को तीन सौ क्यों देते हो ?

अथवा

(ख) गबन से :—

(i) जालपा के पिता का नाम लिखिए।

(ii) दयानाथ का वेतन ——— रुपये था।
(50, 60, 70)

(iii) हाँ, देह में एक आँख न होने से क्या होता है ? (यह कथन किसका है)

(iv) जग्गो ——— में रहती थी।
(कलकत्ता, प्रयाग, इलाहाबाद)

(v) जोहरा की मृत्यु कैसे हुई थी ?

(ग) कहानी संकलन से :—

(i) सूबेदारनी के पति का नाम ——— था।
(मानसिंह, हजारासिंह, बोधासिंह)

(ii) माधव हाय-हाय करके छाती पीटकर क्यों रो रहा था ?

(iii) क्या स्त्री होना कोई पाप है ?
(यह कथन किसका है ? — चम्पा, वचन, पुष्पा)

(iv) आकाशदीप कहानी के लेखक ——— हैं।
(जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव)

(v) मेहमान कहानी ——— वर्ग पर आधारित है।
(पूंजीपति, मध्यम, निम्न)

इस लज्जा का सामना करने की उसमें सामर्थ्य न थी। लज्जा ने सदैव वीरों को परास्त किया है। जो काल से भी नहीं डरते, वे भी लज्जा के सामने खड़ा होने की हिम्मत नहीं करते। आग में कूद जाना, तलवार के सामने खड़ा हो जाना, इसकी अपेक्षा कहीं सहज है। लाज की रक्षा ही के लिए बड़े-बड़े राज्य मिट गये हैं रक्त की नदियाँ बह गयी हैं, प्राणों की होली खेल डाली गयी है।''

3. "सूरदास ने बालकृष्ण के अत्यन्त स्वाभाविक एवं हृदयग्राही चित्र प्रस्तुत किये हैं'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पठित पदों के आधार पर मीराबाई की भक्ति-भावना की विशेषताएं लिखिये। 10

4. उपन्यास के तत्वों की दृष्टि में रखते हुए गबन उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'जालपा' गबन उपन्यास के कथानक की केन्द्रबिंदु है।' इसे जालपा की चारित्रिक विशेषताओं के द्वारा स्पष्ट कीजिए। 10

5. निम्नलिखित किसी एक संच के **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (प्रत्येक उपप्रश्न के अंक समान हैं) :— 20

(क) लहनासिंह की कर्तव्यनिष्ठता को सिद्ध कीजिए।

(ख) 'कफन' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(ग) बचन के मातृहृदय की संवेदना को रेखांकित कीजिए।

(घ) मेहमान कहानी में निहित व्यंग्य को लिखिए।

अथवा

(च) घीसू और और माधव के स्वभाव का परिचय दीजिए।

(छ) 'आकाशदीप' कहानी की नायिका चंपा की वीरता का वर्णन कीजिए।

(ज) 'आर्द्रा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(झ) 'मेहमान' कहानी का उद्देश्य लिखिए।

6. उपन्यास की परिभाषा बतलाते हुए उनके प्रमुख तत्वों का सामान्य परिचय दीजिए। 10

अथवा

नाटक और एकांकी के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार लिखिए :— 20

(क) काव्य कुसुमाकर से :

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ने कबीर को क्या कहा है ?

(ii) सूरदास का ——— वर्णन विश्व साहित्य में बेजोड़ है। (श्रृंगार, बाल, विरह)

(iii) मीरा के पिता का नाम लिखिए।

(iv) रहीम के ——— छंद प्रसिद्ध हैं।
(दोहा, बरवै, चौपाई)

(v) " ——— का काव्य केवल कला का कसीदा न होकर भावों का वैभव है।" किस कवि के परिचय में यह कहा गया है ? (सूर, बिहारी, मीरा)